डॉ. आनन्द शंकर बहादुर
कुलसचिव

कुशाभाऊ ठाकरे
पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय
काठाडीह, रायपुर - 492 013, छत्तीसगढ़
दूरभाष : 0771-2779202, फैक्स : 0771-2779210,
मोबाईल : 810334 72201, वेबसाईट : www.ktujm.ac.in
ई-मेल : kulsachiv@ktujm.ac.in, anand.bahadur.anand@gmail.com

क्रमांक 1487 दिनांक 31/03/2020

//महामहिम राज्यपाल महोदया के निर्देश के परिपालन में अपील//

विश्वविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगण, सम्बद्ध महाविद्यालय, नियमित/अनियमित अधि/कर्मचारी, छात्र/छात्रा तथा उनके बंधु बांधव एवं समस्त परिजन,

आप सभी को यह विदित है कि न सिर्फ भारत अपितु समस्त विश्व की मानवता कोरोना वायरस (कोविड–19) के विनाशकारी प्रकोप से जूझ रही है, यह एक ऐसा वायरस है जो अत्यंत संक्रामक है। यह एक मनुष्य से अनेक मनुष्यों में अत्यधिक तीव्रता से फैलता है। यह वायरस हाथों के माध्यम से एक दूसरे को छूने से तथा हवा के माध्यम से मनुष्य में फैलता है। जब कोई संक्रमित व्यक्ति बिना मुंह को ढके हवा में छींकता या खांसता है तो असंख्य वायरस कण हवा में फैल जाते हैं, जो आसपास मौजूद सभी लोगों को संक्रमित कर रूग्ण कर डालते हैं। कोरोना वायरस से संक्रमित व्यक्ति में तेज बुखार, सांस लेने में तकलीफ, फेफड़ों का इंफेक्शन तथा निमोनिया जैसे लक्षण प्रकट होते हैं। अभी तक इस वारयरस की कोई दवाई, टीका या एंटीडोट की खोज नहीं की जा सकी है, इसलिए इसकी रोकथाम ही इसका एकमात्र इलाज है।

भारत सरकार, छ.ग. शासन, ICMR, WHO तथा स्वास्थ्य से जुड़ी अनेक एजेंसियों के दिशा निर्देशों का परिपालन करते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन के द्वारा समय–समय पर पूर्व में भी यह जानकारी उपलब्ध कराई गई है कि किस प्रकार साफ–सफाई तथा सोशल डिस्टेंसिंग को अपना कर कोरोना वायरस को फैलने से रोका जा सकता है। विश्वविद्यालय के कुलपति महोदय द्वारा विश्वविद्यालय के वेबसाईट पर इस संदर्भ में अपील जारी की गई थी जिसमें इस महामारी से बचने के लिए सबो को प्रेरित किया गया था। इस संदर्भ में निम्न मुख्य बिन्दु कारगर है–

1. ध्यातव्य है कि कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए अत्यंत आवश्यक है कि प्रत्येक व्यक्ति अनेकों बार अपने हाथों को साबुन पानी से धोकर अथवा सेनेटाइजर के माध्यम से कीटाणुरहित करे। विशेषकर किसी बाहरी वस्तु या व्यक्ति को छूने के बाद हथेलियों को सेनेटाईज किया जाना बहुत जरूरी है क्योंकि यह वायरस मुख्यतः हाथों के स्पर्श के माध्यम से ही फैलता है।
2. यह आवश्यक है कि बुखार, सर्दी, जुकाम अथवा छींक–खांसी के लक्षण नजर आते ही व्यक्ति तत्काल मास्क धारण करें तथा अपने क्षेत्र के स्वास्थ्य विशेषज्ञों से संपर्क कर अपनी स्थिति से अवगत करायें।

Scanned by CamScanner

3. कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिए भारत सरकार द्वारा पूर्ण लाकडाउन की घोषणा की गई है जिसे 21 दिवस तक चलना है। इस अवधि में प्रत्येक अधिकारी/कर्मचारी, छात्र/छात्रा का कर्तव्य बनता है कि वे अपने घरों में रहें और पूर्ण अनुशासन के साथ लाकडाउन को सफल बनायें।

4. विश्वविद्यालय परिवार का हर व्यक्ति न सिर्फ स्वयं को कोरोना वायरस संबंधित इस अनुशासन में लाये बल्कि विश्वविद्यालय ज्ञानाश्रय अर्थात् अध्ययन अध्यापन का केन्द्र होता है इसलिए यहां के अध्यापकों, छात्र/छात्राओं तथा कर्मचारियों का अतिरिक्त कर्तव्य बनता है कि वे अपने उदाहण से समूचे समाज को प्रेरित करे तथा ईमेल, व्हाट्सएप एवं अन्य सोशल मीडिया के माध्यम से साफ, सफाई तथा सोशल डिस्टेंसिंग के लिए अपने परिवार के अन्य सदस्यों, रिश्तेदारों और परिजनों को प्रेरित करें।

5. विश्वविद्यालय परिवार का यह भी कर्तव्य है कि वह सजग नागरिक की भूमिका में उतरे और झूठी अफवाहों एवं नाकरात्मक प्रभाव वाली खबरों से समाज को बचाने की चेष्टा करे।

6. गूगल न्यूज इनीशिएटिव ने कोविड –19 यानी कोरोना वायरस के संबंध में फैल रही अफवाहों को रोकने के लिए बुनियादी प्रशिक्षण देने का वेबिनार यानी वेब पर सेमिनार (वेबिनार) रविवार दिनांक 29 मार्च 2020 को आयोजित किया गया। पत्रकारिता विभाग के अध्यक्ष श्री पंकजनयन पाण्डेय ने अंग्रेजी के इस वेबिनार में हिस्सा लिया और उसे बेहद उपयोगी पाया। इसके आधार पर विश्वविद्यालय अध्ययन शाला के सहायक प्राध्यापकों और छात्र–छात्राओं को हिंदी में आयोजित होने वाले अगले वेबिनार में हिस्सा लेने के लिए प्रेरित किया जा रहा है, जो 4 अप्रैल को संपन्न होगा। वेबिनार में भाग लेने विश्वविद्यालय से पढ़कर निकले तथा वर्तमान में मीडिया में कार्यरत कई पूर्व छात्र–छात्राओं ने भी इस वेबिनार के लिए पंजीयन करवाया है। वेबिनार में हिस्सा लेने रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया जारी है। अतः विश्वविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगण/अधिकारी/कर्मचारी/छात्र–छात्रा कोरोना वायरस के संबंध में फैल रही अफवाहों को रोकने आयोजित वेबिनार में भाग लेने के लिए रजिस्ट्रेशन करवाएं।

कोरोना वायरस के साथ मानवता के संघर्ष में कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय, रायपुर की एक अहम भूमिका है। इस भूमिका को सजग नागरिक की तरह निभाते हुए आईये, हम मानवता के इस शत्रु को परास्त करने के रण में पूरी तैयारी तथा निष्ठा के साथ कूद पड़ें। आईये हम प्रण लें कि इस वायरस से पृथ्वी को मुक्त करने के लिए हम कोई कोर कसर नहीं उठा रखेंगे और भारत सरकार तथा छत्तीसगढ़ शासन के प्रयासों और दिशानिर्देशों का अक्षरशः पालन करेंगे।

धन्यवाद।

भवदीय

(डॉ. आनंद शंकर बहादुर)
कुलसचिव

Scanned by CamScanner